NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH
SOLVED ASSIGNMENT OF UNIT III

CLASS: 7th
SUBJECT: HINDI

SESSION 2021
Pg no 1

पाठ- १२.
समाज के सच्चे शिक्षक

शब्द ज्ञान

अभूपूर्व = जो पहले कभी न हुआ हो, सर्वश्रेष्ठ = सबसे अच्छा, कुलीन = ऊँचे कुल का, बहुत = अनेक, अतृप्त = प्यासा रह जाना, क्षीण = कमज़ोर, हितकर = कल्याण करने वाला, चेतना = जागरूकता, विद्वता = बहुत अधिक ज्ञान, अध्ययन = पढ़ाना, उन्नति = प्रगति, निर्भीकता = बिना डर के, अपमान = निरादर, प्रचलित = चलन रहा, कुरीति = बुरा रीति-रिवाज, संकल्प = दृढ़ निश्चय, अनुमति = आज्ञा, स्वीकृति = मान लेना।

मौखिक (उत्तर)

1. ईश्वरचंद्र विद्यासागर देश के महान समाज सुधारक थे।

2. ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा-विवाह और बहु विवाह-प्रथा के खिलाफ़ आंदोलन चलाए।

लिखित (उत्तर)

Pg no 2.

1. रेलवे स्टेशन पर साधारण-सा दिखने वाला व्यक्ति महान् समाज सुधारक 'ईश्वरचंद्र विद्या-सागर' था। जिन्होंने 'समाज की रूढ़ियों और कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया।

2. संस्कृत कॉलेज में जाति के आधार पर छात्रों की भर्ती का नियम तोड़ने का काम ईश्वरचंद्र ने किया क्योंकि उन्होंने कहा यदि लोग पैसे की खातिर अंग्रेजों को संस्कृत पढ़ा सकते है तो मेरी समझ में नहीं आता कि बिना जाति-भेदभाव के अपने ही देशवासियों को क्यों नहीं पढ़ा सकते है वे इस बात पर दृढ़ थे कि कालेज का द्वार सभी लड़कों के लिए खुला रहेगा। आखिर ईश्वरचंद्र विद्यासागर विजयी हुए और कालेज में सबको प्रवेश मिलने लगा।

3. अपमान का जीवन बिताने की बजाए मैं रोटी के लिए सब्जी बेचना अथवा परचून की दुकान करना अच्छा समझता हूं।

4. ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कोलकाता में बेथून विद्यालय मेदिनीपुर, बर्दवान, हुगली और नदिया ज़िले में पचास बालिका विद्यालयों को स्थापना की। इन्हें चलाने के लिए उन्होंने अपनी सरकारी छोड़ दी। इसके बाद बंगला भाषा पढ़ाने के लिए एक सौ एक विद्यालय खोले।

5. बूढ़े प्रोफ़ेसर के घर विद्यासागर इसलिए नहीं रुके क्योंकि उन्होंने एक छोटी लड़की से विवाह कर लिया था। घर पहुंचकर विद्यासागर फूट-फूट

कर रोने लगे। वे एक पल भी वहाँ नहीं रुके। उन्होंने कहा, "इस घर में मैं एक बूँद पानी तक नहीं पी सकता।"

6. विधवा-विवाह आंदोलन के लिए विद्यासागर ने अपने बेटे की शादी एक विधवा से कर दी जिस कारण उनके रिश्तेदार ने उनका विरोध किया किंतु वे किसी के आगे नहीं झुके। उन्होंने स्पष्ट कहा, "विधवा-विवाह आँदोलन मेरे सर्वश्रेष्ठ कार्य रहा है और मैं नहीं समझता कि मैं अपने जीवन में इससे बढ़िया और कोई कार्य कर सकूँगा। मैंने इस पर तन, मन, धन की बाजी लगा दी है और मैं कभी नहीं झुकूँगा। जिसे मैं अपने देशवासियों के लिए सबसे अच्छी चीज़ समझता हूँ, उसे मैं करके ही रहूँगा, चाहे कितनी ही बाधाएँ क्यों न आएँ।"

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: (उत्तर)

1. अनुशासन 2. शिक्षा-संस्थाएँ 3. पत्नी

4. तत्वबोधिनी पत्रिका 5. विवाहित.

3. सही (✓) एवं गलत (x) चुनिए: (उत्तर)

1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (x) 5. (✓)

Scanned with CamScanner

पाठ - 13

प्रदूषण

आविष्कार = नई खोज, यातायात = आना-जाना, अनवरत = लगातार, विविध = भाँति-भाँति के, गति = रफ्तार, अतिवृष्टि = बहुत अधिक वर्षा, अल्प = थोड़ा, विश्वविख्यात = संसार भर में फैला हुआ।

मौखिक : (उत्तर)

1. 1947 में भारत की आबादी तैंतीस करोड़ थी।
2. 2001 में भारत देश की आबादी सौ करोड़ से अधिक हो गई थी।
3. आज भारत की आबादी एक अरब सैंतीस करोड़ है।

लिखित : (उत्तर)

1. धरती पर जीवन, प्रकृति-संतुलन से ही संभव हो सका है। धरती वनस्पतियों से पूरी तरह ढक न पाए इसलिए घास खाने वाले जानवर पर्याप्त संख्या में थे और इन जानवरों की संख्या अधिक न हो जाए इसलिए हिंसक जानवर भी थे। इस प्रकार प्रकृति में वनस्पति, जीव-जंतु आदि का अनुपात संतुलित और नियंत्रित बना रहता है। इससे पर्यावरण साफ और निर्मल बना रहता है।

Scanned with CamScanner

2. खेती करने के लिए, घर बनाने के लिए, कल-कारखाने, सड़कें और रेल, उद्योग लगाने के लिए जमीन की जरूरत पड़ी तो इस कारण बड़े पैमाने पर जंगल काटे गए।

3. मिट्टी का प्रदूषण :- मिट्टी में रासायनिक पदार्थ, प्लास्टिक के बैग और कीटनाशक दवाइयों के मिल जाने से उसकी उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है तथा इस मिट्टी में उगने वाली फ़सल को भी नुकसान पहुँचता है।

नदियों का प्रदूषण :- कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ, घरों से निकलने वाला गंदा पानी, खेतों से निकलने वाले कीटनाशक दवाइयाँ तथा जानवरों को पानी में नहलाने आदि से पानी गंदा हो जाता है इसके इस्तेमाल से पेट की बीमारियाँ हो जाती है यही गंदा पानी जब खेतों में प्रयोग किया जाता है तो खेती पर भी गलत असर पड़ता है।

ध्वनि का प्रदूषण : रेलगाड़ियाँ, बसें, बड़े-बड़े जलयान और विमान धुआँ तो उगलते ही है शोर भी पैदा करते है। जिसकी आवाज़े कानो व मस्तिक के लिए हानिकारक होती है।

Pg no 6.

वायु प्रदूषण : कारखानों, रसोई घर की चिमनियों, मोटर - गाड़ियों और पावर प्लांट्स आदि से निकलने वाला धुआँ हवा को दूषित करता है। इनमें से निकलने वाली कार्बन - डाई - आक्साइड गैस में साँस लेने से फेफड़ों की बीमारियाँ हो जाती है।

२. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त संयोजक लगाकर लगाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (उत्तर)

1. इसलिए २. तो ३.

4. इसलिए 5. और

3. समुच्चयबोधक छाँटकर लिखिए :

क, वह बालक छोटा था पर चतुर था। था

ख, आँधी आ गई और छप्पर उड़ गया। और

ग, मेरा कहा मानो अन्यथा पछताओगे। अन्यथा

घ, कृष्णा गाती ही नहीं अपितु नाचती भी है। अपितु

ड.) मन लगाकर पढ़ो ताकि अच्छे अंक मिल सकें। ताकि

पाठ - 14.

उस दिन की बात

बयार = हवा, दिशि = दिशा, पथ = रास्ता, सिंधु = समुद्र, आस्था = विश्वास, जग = संसार, पाँख = पंख, भावी = भविष्य का, ज्यौनार = की तरह, नीर = पानी, द्वार = दरवाजा, निमंत्रण = बुलावा, निरख = देख, विहँसा = हँसा, शून्य = खाली, अवाक् = हैरान।

मौखिक (उत्तर)

1. नदी, सूर्य और धरती नियमित रूप से अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं।

2. हवा ने ठुमक कर यह कहा कि उसे ऋतु ने हर दिशा की ओर जाने के लिए कहा है।

लिखित : (उत्तर)

1. नदी जीवन-हित में समुद्र के लिए रास्ता बना रही है।

2. धरती बेल-बूटे और हरियाली लगाने में व्यस्त है।

3. सूरज की किरणें अंधकार को हटा कर, उजाला कर रही है।

4. इस कविता में दर्शाया गया है कि गति ही जीवन है।

2. निम्नलिखित पद्यांश को पूरा कीजिए :-

क, तभी धरती ने दिया जवाब - अरे तो,
मैं हूँ कब खाली ?

बनाना मुझको बूटे-बेल, मंज़िलों पर ले हरियाली।

झुमकती आई तभी बयार, लगी कहने, यों हाथ हिला।
जा रही हूँ दिशि-दिश के द्वार, निमंत्रण ऋतु का मुझे मिला।

ख, किरण सूरज की, मुँह पर लाल, चमक कर लगी तुरंत कहने।

जला आई हूँ मैं अँधियार, निरख ये खरे फ़सल-गहने।

बात यह सुन विहँसा आकाश, शून्य झनकार उठी वाणी,

देख-सुन मैं यह, रही अवाक्, चली आस्था ले पहचानी।

3. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक शब्द लिखिए:
(उत्तर) Pg no 06
1. का 2. आमने-सामने 3. के बिना
4. के साथ 5. लिए।

—o—

पाठ - 15 ·
दोहा - दशक

शब्द - ज्ञान (Already done on Book)

मौखिक (उत्तर)

1. विपदा को भला इसलिए कहा गया है क्योंकि इससे अपने पराए का पता चल जाता है कि कौन सुख में काम आता है और कौन दुःख में साथ रहता है।

लिखित (उत्तर)

1. उत्तम प्रकृति के व्यक्ति का कुसंगति कुछ नहीं बिगाड़ सकती क्योंकि उना का स्वभाव अच्छा होता है।

2. रहीम जी ने प्रेम - धागों को न तोड़ने की बात इसलिए कही है क्योंकि प्यार का नाता नाजुक होता है, इसे तोड़ना उचित नहीं है। अगर ये धागा एक बार टूट जाए तो फिर इसे जोड़ना मुश्किल है।

3. भले लोग जमा संपत्ति का संचय दूसरों को दान देने के कार्य के लिए खर्च करते हैं।

4. रहीम जी ने चंदन के वृक्ष की यह विशेषता बताई है कि जैसे जहरीले साँप सुगंधित चन्दन के वृक्ष से लिपटे रहने पर भी उस पर कोई प्रभाव नहीं डाल पाते।

2, निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा करो :

क. टूटे सुजन मनाइए, जो टूटे सौ बार।
रहिमन फ़िर फिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार ॥

ख. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय ॥

3. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ लिखिए :-

क. दोहा - 3.

ख, दोहा - 5.

क) रहिम जी कहते है कि प्यार का नाता नाजुक होता है, इसे तोड़ना उचित नहीं होता। अगर ये धागा एक बार टूट जाता है तो फिर इसे मिलाना मुश्किल होता है और यदि मिल भी जाए तो टूटे हुए धागों के बीच गाँठ पड़ जाती है।

ख) रहीम जी कहते है कि यदि माला टूट जाये तो उन मोतियों को धागे में पीरो लेना चाहिए जैसे आपका प्रिय व्यक्ति आपसे सौ बार भी रुठे तो उसे मना लेना चाहिए।

हिन्दी व्याकरण

निबंध :
समय का सदुपयोग

पत्र
प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखें।

विलोम शब्द (31-40).

पर्यायवाची शब्द (41-50)

अनेकार्थक शब्द (28-36)

शब्द युग्म (21-27)

मुहावरे (41-50).

प्र०. सर्वनाम किसे कहते है? उदाहरण तथा भेदों सहित लिखें।

प्र०. विशेषण किसे कहते है? उदाहरण तथा भेदों सहित लिखें।

Scanned with CamScanner